RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जुलाई
12
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

UNFCCC सुधार की आवश्यकता / Need for UNFCCC Reform

संदर्भ:

पिछले कुछ वर्षों में **संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा सम्मेलन (UNFCCC)** के तहत होने वाली जलवायु वार्ताएं **महत्वपूर्ण प्रगति** हासिल करने में असफल रही हैं। वित्तीय सहयोग, जवाबदेही और जलवायु न्याय जैसे क्षेत्रों में निराशाजनक परिणाम सामने आए हैं। इसी कड़ी में, बॉन जलवायु सम्मेलन 2025 ने गहरी असहमति और धीमी प्रगति को उजागर किया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि COP30 (ब्राज़ील) से पहले वैश्विक जलवायु प्रयासों को पटरी पर लाना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही, UNFCCC की संरचनात्मक सुधार की मांग और भी ज़ोर पकड़ने लगी है।

UNFCCC के बारे में:

परिचय: संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC) एक अंतरराष्ट्रीय संधि है, जिसका उद्देश्य **मानवजनित जलवायु परिवर्तन** को **खतरनाक स्तर तक पहुंचने से रोकना** है।

स्थापना और प्रभाव:

- **1992** में **रियो डी जनेरियो** में आयोजित **Earth Summit** (UNCED) के दौरान **154 देशों** ने इस संधि पर हस्ताक्षर किए।
- संधि **21 मार्च 1994** से प्रभावी हुई।
- यह संधि **वायुमंडलीय ग्रीनहाउस गैसों की वृद्धि** को सीमित करने के उपायों पर केंद्रित है।

संरचना:

- **UNFCCC Secretariat** इस संधि की कार्यप्रणाली को समर्थन देने वाली इकाई है, जिसका मुख्यालय **बॉन, जर्मनी** में स्थित है।
- **2022 तक**, इसके **198 सदस्य देश** हो चुके थे, जिससे यह लगभग सार्वभौमिक सदस्यता वाला संगठन बन गया है।

प्रमुख निकाय:

- **COP (Conference of the Parties)** – यह UNFCCC का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय है, जो **हर वर्ष बैठक** करता है और जलवायु समझौतों पर निर्णय लेता है।

मुख्य उद्देश्य:

- **जलवायु प्रणाली में खतरनाक मानव हस्तक्षेप** को रोकना।
- वैश्विक तापमान और उत्सर्जन को नियंत्रण में रखना।

UNFCCC में सुधार की आवश्यकता:

1. विश्वसनीयता संकट (Credibility Crisis):

- जलवायु लक्ष्यों की प्राप्ति में *प्रगति की कमी* के कारण UNFCCC की विश्वसनीयता पर प्रश्न उठ रहे हैं।
- **2009 (COP15, कोपेनहेगन)** में विकसित देशों ने यह वादा किया था कि वे विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद के लिए **हर साल $100 बिलियन** जुटाएंगे।
- यह लक्ष्य **2020 तक नहीं** पूरा हो सका, जिससे *विश्वास में भारी गिरावट* आई।

2. जवाबदेही की कमी (Lack of Accountability):

- विकसित देश बार-बार **वित्तीय प्रतिबद्धताएं निभाने में विफल** रहे हैं।
- इनके खिलाफ कोई ठोस *प्रतिबंध या परिणाम तय नहीं हैं*, जिससे कमजोर और विकासशील देशों में *निराशा और असंतोष* बढ़ा है।

3. अत्यधिक नौकरशाही (Excessive Bureaucracy):

- UNFCCC वार्ताएं अक्सर **लंबे एजेंडे**, **विस्तृत चर्चाओं** और *सर्वसम्मति की आवश्यकता* के कारण धीमी होती हैं।
- प्रस्ताव: टीम साइज़ कम करना, भाषणों को सीमित करना– *प्रक्रिया को तेज़ और कुशल* बनाने हेतु।

4. समावेशी भागीदारी की चुनौतियाँ:

- *विकासशील और छोटे देशों* को संसाधनों की कमी के कारण प्रभावी भागीदारी में कठिनाई होती है।
- प्रस्ताव: *लागत में कमी, सहायता निधि* और *प्रवेश बाधाओं में सुधार* – लेकिन इसमें कई बड़े देशों का *विरोध*।

5. जीवाश्म ईंधन हितों का प्रभाव:

- COP बैठकों में *फॉसिल फ्यूल कंपनियों* के प्रतिनिधियों की भागीदारी **विवादास्पद** रही है।
- आशंका: ये लॉबी **नीतियों को प्रभावित** कर *जीवाश्म ईंधन के पक्ष में झुका देती हैं*।
- प्रस्ताव:
  - ऐसे प्रतिनिधियों की **भूमिका सीमित** हो।
  - जिन देशों का **जलवायु रिकॉर्ड खराब** हो, उन्हें COP की मेज़बानी न दी जाए।
  - **पारदर्शिता और निष्पक्षता** को प्राथमिकता मिले।

निष्कर्ष:

UNFCCC की *प्रभावशीलता बढ़ाने* के लिए *संरचनात्मक, वित्तीय और भागीदारी से जुड़े सुधार* आवश्यक हैं। ऐसा करना *वैश्विक जलवायु न्याय* को मजबूती देने और *विकासशील देशों का भरोसा बहाल* करने के लिए अनिवार्य है

नीति आयोग ने राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषदों को मजबूत करने के लिए रोडमैप लॉन्च किया / NITI Aayog Launches Roadmap to Strengthen State S&T Councils

संदर्भ:

भारत सरकार की नीति आयोग (NITI Aayog) ने **"State S&T Councils को सशक्त बनाने हेतु रोडमैप"** जारी किया है। यह दो वर्षों में तैयार की गई व्यापक कार्ययोजना है, जिसका उद्देश्य राज्य स्तरीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषदों को संरचनात्मक, वित्तीय, प्रशासनिक और सहयोगी दृष्टिकोण से मजबूत बनाना है। इस पहल से राज्यों में **वैज्ञानिक नवाचार**, **अनुसंधान क्षमता**, **औद्योगिक साझेदारी** और **क्षेत्रीय-आधारित विकास रणनीतियों** को केंद्र एवं राज्य के लक्ष्यों से सिंक्रनाइज़ किया जाएगा।

राज्य स्तरीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (S&T) पारिस्थितिकी तंत्र:

प्रमुख उद्देश्य:

- **राज्य S&T पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करना:** वैज्ञानिक नवाचार और सामाजिक-आर्थिक विकास के बीच की दूरी को पाटना।
- **सहयोग को बढ़ावा देना:** मंत्रालयों, राज्य सरकारों, अकादमिक संस्थानों, उद्योग और फंडिंग एजेंसियों के बीच समन्वय में सुधार।
- **नवाचार को प्रोत्साहन:** पेटेंट सुविधा, रिमोट सेंसिंग, जमीनी स्तर के नवाचार, विज्ञान लोकप्रियकरण और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देना।

प्रमुख चुनौतियाँ (Major Challenges Identified)

- **शासन की कमजोरी:** बैठकों में अनियमितता, कार्यकारी नेतृत्व की कमी और निर्णय लेने में देरी।
- **अपर्याप्त वित्त पोषण:** बजट में असमानता, कोर ग्रांट पर अत्यधिक निर्भरता, केंद्रीय सहायता का उपयोग नहीं होना।
- **मानव संसाधन की कमी:** पद खाली, पदोन्नति के अवसर सीमित, स्टाफ की भारी कमी।
- **सीमित सहयोग:** उद्योग, शैक्षणिक संस्थानों और केंद्रीय निकायों से जुड़ाव कम।

प्रमुख सिफारिशें (Recommendations)

1. संरचनात्मक सुधार (Structural Reforms):

- गवर्निंग काउंसिल में केंद्रीय संस्थानों, विश्वविद्यालयों, उद्योग और PSUs के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाए।
- वैज्ञानिक पृष्ठभूमि वाले *पूर्णकालिक कार्यकारी निदेशक* की नियुक्ति अनिवार्य।

2. वित्तीय सहायता (Financial Support):

- राज्य S&T के लिए *GSDP का न्यूनतम 0.5%* आवंटित करें।
- *कोर ग्रांट से प्रोजेक्ट-आधारित ग्रांट* की ओर बदलाव (NE राज्यों और UTs को छोड़कर)।
- प्रदर्शन-आधारित अनुदान और उद्योग एवं मंत्रालयों से विविध स्रोतों से फंडिंग को बढ़ावा दें।

3. मानव संसाधन (Human Resources):

- वैज्ञानिक और गैर-वैज्ञानिक स्टाफ का *70:30 अनुपात* बनाए रखें।
- नियमित पद राज्य सरकार द्वारा समर्थित हों, और स्पष्ट पदोन्नति मार्ग हों।
- *सेकंडमेंट पर फैकल्टी* और *सेवानिवृत्त वैज्ञानिकों* का उपयोग करें।

4. राज्य-केंद्रित भूमिका (State-Focused Roles):

- *राज्य विशेष S&T आवश्यकता मैपिंग* करें।
- पेटेंट सुविधा, तकनीक हस्तांतरण, जैव विविधता सेल जैसी *उप-संरचनाएं* स्थापित करें।

5. कार्यक्रम पुनर्परिभाषा (Program Redefinition):

- राज्य संस्थानों में *R&D समर्थन को प्राथमिकता* दें।
- राज्य स्तरीय *पुरस्कार, फैलोशिप और इंटर्नशिप* की व्यवस्था करें।
- विज्ञान शहरों और विज्ञान केंद्रों को *नवीनतम रूप* में नियमित रूप से अपडेट करें।

6. सहयोग एवं जुड़ाव (Collaboration & Linkages):

- केंद्रीय एजेंसियों, उद्योग, PSUs, और अकादमिक संस्थानों के साथ *मजबूत साझेदारी* बनाएं।
- *वार्षिक STI कॉन्क्लेव* और ज्ञान साझा करने की गतिविधियाँ आयोजित करें।

नीति आयोग (NITI Aayog): एक दृष्टिकोणात्मक संस्थान

परिचय: नीति आयोग (National Institution for Transforming India) भारत सरकार का एक नीति-निर्माण थिंक टैंक है, जिसकी स्थापना 2015 में योजना आयोग के स्थान पर की गई थी। इसका उद्देश्य सहकारी संघवाद को बढ़ावा देना और समावेशी एवं सतत विकास सुनिश्चित करना है।

प्रमुख कार्य और उद्देश्य:

1. रणनीतिक थिंक टैंक
2. सहकारी संघवाद
3. नीति-निर्माण में भूमिका
4. ज्ञान और नवाचार केंद्र
5. नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण / Voter list revision in Bihar

संदर्भ:

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (Special Intensive Revision - SIR) के दौरान संभावित बहिष्कार की चिंताओं को गंभीरता से लेते हुए चुनाव आयोग (EC) को निर्देश दिया कि वह आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र (Voter ID) और राशन कार्ड को पहचान प्रमाण के रूप में स्वीकार करे। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि मतदान का अधिकार भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव है, और इससे किसी भी नागरिक को अनुचित रूप से वंचित नहीं किया जा सकता।

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण: दस्तावेज़ी प्रमाण की आवश्यकता

पृष्ठभूमि: बिहार में चुनाव आयोग (ECI) ने 2003 के बाद पहली बार **विशेष गहन पुनरीक्षण (Special Intensive Revision - SIR)** शुरू किया है। इसके तहत हर व्यक्ति को नागरिकता और जन्म की पुष्टि के लिए दस्तावेज़ देने होंगे।

मुख्य बिंदु:

- **2003 की सूची का संदर्भ:** जो व्यक्ति 2003 की मतदाता सूची में शामिल नहीं हैं, उन्हें 11 में से कोई भी दस्तावेज़ देकर अपनी जन्म की तारीख और/या स्थान सिद्ध करना होगा।
- **1 जुलाई 1987 के बाद जन्मे नागरिक:** उन्हें अपने माता-पिता के जन्म प्रमाण भी देने होंगे, जो नागरिकता प्रमाण के समान माना जाएगा।
- **स्वीकृत दस्तावेजों में नहीं हैं:** आधार कार्ड, पैन कार्ड, पुराना मतदाता पहचान पत्र
- **कानूनी आधार:**
  - अनुच्छेद 324 – निर्वाचन आयोग को चुनाव प्रक्रिया पर नियंत्रण का अधिकार देता है।
  - जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21 – मतदाता सूचियों की पुनरीक्षण प्रक्रिया को नियंत्रित करती है।

भारत में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार (Universal Adult Suffrage) और मतदाता सूची की शुद्धता का महत्व

भारत में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार:

अर्थ: प्रत्येक वयस्क नागरिक को वोट देने का अधिकार है, *बिना किसी भेदभाव के– लिंग, जाति, धर्म, शिक्षा या संपत्ति* के आधार पर नहीं।

संवैधानिक आधार:

- *अनुच्छेद 326* के अंतर्गत सभी वयस्क नागरिकों को मतदान का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है।
- भारत ने शुरुआत से ही यह अधिकार दिया, जबकि **UK और US** जैसे देशों में यह अधिकार क्रमिक रूप से मिला।

उम्र परिवर्तन: 61वां संविधान संशोधन (1989) मतदान की उम्र *21 से घटाकर 18 वर्ष* की गई।

पहले आम चुनाव (1951–52):

- *17.3 करोड़ से अधिक मतदाता*, जिनमें बहुत बड़ी संख्या निरक्षरों की थी।
- CEC **सुकुमार सेन** ने *चिह्न आधारित मतदान प्रणाली* लागू की जिससे सभी मतदाता बिना पढ़े भी सही उम्मीदवार चुन सकें।

मनमाने नाम हटाने के विरुद्ध सुरक्षा:

- **Lal Babu Hussein v. ERO (1995):** सुप्रीम कोर्ट ने ECI की 1992 और 1994 की उन गाइडलाइनों को रद्द किया, जो केवल संदेह के आधार पर नाम हटाने की अनुमति देती थीं।
- **Md. Rahim Ali v. State of Assam (2024):** कोर्ट ने दोहराया कि सिर्फ संदेह के आधार पर मतदाता सूची से किसी का नाम हटाना अवैध है।

अनुपस्थित मतदाताओं के लिए विशेष प्रावधान

1. डाक मतपत्र (Postal Ballots)

कानूनी आधार: नियम 18, निर्वाचन नियमावली 1961 (Conduct of Election Rules, 1961) के अंतर्गत।

पात्रता:

- **सशस्त्र बलों के सदस्य**
- **सरकारी अधिकारी** जो चुनाव ड्यूटी या अन्य सरकारी कर्तव्यों पर हों
- **चुनाव ड्यूटी पर नियुक्त कार्मिक** (जैसे BLOs, पीठासीन अधिकारी)

लाभ: व्यक्ति मतदान केंद्र पर उपस्थित हुए बिना अपना मत दे सकता है।

2. प्रवासी भारतीय मतदाता (Overseas Voters)

- **कानूनी आधार:** धारा 20A, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम (Representation of the People Act), 1950।
- **पात्रता:** भारतीय नागरिक जो भारत के बाहर निवास करते हैं लेकिन भारतीय पासपोर्ट रखते हैं।
- **वोटिंग प्रक्रिया:**
  - उन्हें संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में व्यक्तिगत रूप से आकर मतदान करना होता है।
  - डाक या ऑनलाइन मतदान की अनुमति नहीं है।

3. भविष्य की पहल (Proposed Reforms)

प्रॉक्सी और ऑनलाइन वोटिंग:

- **प्रवासी भारतीयों** के लिए प्रॉक्सी या ऑनलाइन मतदान की संभावनाएं विचाराधीन हैं।
- अभी तक इसे लागू नहीं किया गया है, लेकिन इसके लिए पायलट प्रोजेक्ट और कानूनी मसौदे तैयार किए जा रहे हैं।

तुर्काना झील / Lake Turkana

संदर्भ:

हालिया शोध में वैज्ञानिकों ने **केन्या के तुर्काना बेसिन** में पाए गए **विलुप्त स्तनधारी जीवों के जीवाश्मों** से **18–20 मिलियन वर्ष पुराने इनेमल प्रोटीन** सफलतापूर्वक निकाले हैं।

Lake Turkana: प्रमुख तथ्य:

स्थान और भूगोल:

- केन्या के उत्तरवर्ती क्षेत्र में स्थित है, Eastern Rift Valley में।
- इसकी उत्तरी सीमा इथियोपिया तक फैली हुई है।
- इसमें तीन नदियाँ गिरती हैं: ओमो, टर्कवेल और केरिओ।
    - केवल ओमो नदी स्थायी है और हर साल झील में लगभग 90% पानी का योगदान देती है।

वैश्विक मान्यता:

- अफ्रीका की चौथी सबसे बड़ी झील।
- विश्व की सबसे बड़ी स्थायी रेगिस्तानी झील।
- यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में सूचीबद्ध।
- जैव विविधता और सांस्कृतिक महत्व के लिए प्रसिद्ध।

पर्यावरणीय विशेषताएँ:

- क्षेत्र गर्म, शुष्क और दूरस्थ है।
- झील का पानी अर्ध-लवणीय (semi-saline) है।
- उच्च वाष्पीकरण दर और झील के जल स्तर में प्रति दशक 8 मीटर तक उतार-चढ़ाव विकास योजनाओं को चुनौती देते हैं।

जनजीवन और आजीविका:

- लगभग 10 लाख की जनसंख्या (Turkana क्षेत्र)।
- आजीविका के मुख्य स्रोत:
    - पशुपालन
    - मत्स्य पालन
    - सीमित स्तर पर कृषि
- झील स्थानीय समुदायों को जल, भोजन और पारंपरिक जीवनशैली के लिए संसाधन प्रदान करती है।

प्रमुख समस्याएँ:

- अस्थिर जल स्तर और अर्ध-लवणीयता के कारण दीर्घकालिक विकास योजनाओं को कार्यान्वित करना कठिन।
- जलवायु परिवर्तन, बांध परियोजनाओं (जैसे इथियोपिया का Gibe III) से प्रवाह में कमी ने पारिस्थितिकी और मानव जीवन पर गंभीर प्रभाव डाला है।

द्वीप संरक्षण क्षेत्र / IPZ

संदर्भ:

केंद्र सरकार के **पर्यावरण मंत्रालय** ने हाल ही में एक नया **अधिसूचना** (Notification) जारी किया है, जिसके तहत **आइलैंड्स प्रोटेक्शन ज़ोन (IPZ) अधिसूचना 2011** के तहत आने वाली **इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं** के नियमों को **संशोधित** और **विस्तारित** किया गया है। यह कदम **द्वीपों में पर्यावरणीय संतुलन** बनाए रखने के साथ-साथ **सतत विकास** और **पर्यटन सहित आवश्यक आधारभूत ढांचे** को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उठाया गया है।

Island Protection Zone (IPZ) Notification, 2011:

परिचय:

- **उद्गम:** Environment (Protection) Act, 1986 के तहत अधिसूचित।
- **उद्देश्य:** अंडमान व निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप जैसे द्वीपीय क्षेत्रों की तटीय और समुद्री पारिस्थितिकी का संरक्षण और सुनियोजित विकास सुनिश्चित करना।

हालिया बदलाव:

- IPZ 2011 के अंतर्गत बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की मंज़ूरी की वैधता अब **10 वर्षों** के लिए बढ़ा दी गई है (पहले **7 वर्ष** थी)।
- यह बदलाव बढ़ती इंफ्रास्ट्रक्चर और पर्यटन परियोजनाओं की पृष्ठभूमि में किया गया है।

उदाहरण परियोजना: **₹81,800 करोड़** की Great Nicobar Holistic Development Project, जिसमें शामिल हैं: पोर्ट, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, टाउनशिप, ट्रंक रोड

CRZ बनाम IPZ:

विशेषता	CRZ (Coastal Regulation Zone)	IPZ (Island Protection Zone)
क्षेत्र	*मैदानीय भारत के तटीय क्षेत्र*	*केवल द्वीपीय क्षेत्र (AN Islands, Lakshadweep)*
अधिसूचना वर्ष	2011 (अद्यतन)	2011
उद्देश्य	तटीय पारिस्थितिकी का संरक्षण	द्वीपों की विशेष पारिस्थितिकी का संरक्षण

महत्व:

- द्वीपीय पारिस्थितिकी अत्यंत संवेदनशील होती है—*प्रवालीय भित्तियाँ, मैन्ग्रोव, समुद्री जैवविविधता।*
- IPZ अधिसूचना इन संसाधनों के *संतुलित संरक्षण और सतत विकास* को सुनिश्चित करती है।
- यह *पर्यटन, रक्षा और रणनीतिक परियोजनाओं* के लिए भी एक मार्गदर्शिका है, जिससे पारिस्थितिकीय क्षति को कम किया जा सके।

राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस / National Fish Farmers Day

संदर्भ:

भारत में पिछले 11 वर्षों में **मछली उत्पादन** में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, जो **95.79 लाख टन से बढ़कर 195 लाख टन** हो गया है। इस दोगुनी वृद्धि का श्रेय केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई **'नीली क्रांति' (Blue Revolution)** को दिया जा रहा है, जिसने देश में **मत्स्य पालन क्षेत्र को संरचित, तकनीक-सक्षम और रोजगारोन्मुख** बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

- 10 जुलाई 2025 को ICAR-CIFA भुवनेश्वर में राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस मनाया गया।

भारत में मत्स्य पालन और जलीय कृषि: वृद्धि और उपलब्धियाँ

अंतर्देशीय मत्स्य पालन और जलीय कृषि:

- 140% वृद्धि दर्ज, जो भारत के मीठे जल संसाधनों के कुशल उपयोग को दर्शाता है।

झींगा (Shrimp) उत्पादन और निर्यात:

- पिछले दशक में 270% वृद्धि।
- समुद्री खाद्य (Seafood) निर्यात ₹60,500 करोड़ के पार।
- भारत विश्व में झींगा निर्यात में नेतृत्वकर्ता बना रहा।

प्रमुख पहलें (Key Initiatives):

- **34 मत्स्य क्लस्टर (Fisheries Clusters)**
  - 17 नए क्लस्टर हाल ही में शुरू किए गए।
  - **प्रमुख उदाहरण:**
    - पर्ल क्लस्टर – हजारीबाग (झारखंड)
    - सीवीड क्लस्टर – लक्षद्वीप
    - तिलापिया क्लस्टर – छत्तीसगढ़
    - खारे जल क्लस्टर – आंध्र प्रदेश
- **ICAR प्रशिक्षण कैलेंडर:**
  - बीज प्रमाणीकरण (Seed Certification) और हैचरी संचालन दिशानिर्देशों (Hatchery Guidelines) के साथ गुणवत्ता और मानकीकरण सुनिश्चित करना।

ब्लू रिवॉल्यूशन (Blue Revolution):

- इसका उद्देश्य: मछली उत्पादन में तेज़ और सतत वृद्धि।
  - मत्स्यपालकों और मछुआरों की आजीविका में सुधार।
- यह पहल सागरीय और अंतर्देशीय दोनों क्षेत्रों में मछली उत्पादन को बढ़ाने और नीली अर्थव्यवस्था (Blue Economy) को गति देने की दिशा में एक प्रमुख कदम है।

AI आधारित एग्रीकल्चर API / AI based Agriculture API

संदर्भ:

Google ने हाल ही में Agricultural Monitoring and Event Detection (AMED) API लॉन्च की है, जो भारत भर में फसलों और खेतों से जुड़ी गतिविधियों की सटीक और समयानुकूल जानकारी प्रदान करती है। यह उन्नत एआई और उपग्रह डेटा पर आधारित API किसानों, स्टार्टअप्स, सरकारी एजेंसियों और कृषि विशेषज्ञों को फील्ड-लेवल इनसाइट्स देकर स्मार्ट खेती, सिंचाई प्रबंधन, और फसल निगरानी को अधिक प्रभावी बनाने में मदद करती है।

AI आधारित एग्रीकल्चर API: Google का AMED

परिचय:

- **AMED API** एक **ओपन-सोर्स एआई (AI)-आधारित API** है, जिसे **Google** द्वारा विकसित किया गया है।
- इसका उद्देश्य **भारत में खेत स्तर पर फसल की निगरानी** और **कृषि घटनाओं की पहचान** करना है।

प्रमुख विशेषताएँ:

- **फील्ड-लेवल डेटा:**
  - किसी विशेष खेत में **किस प्रकार की फसल है**,
  - **कब फसल बोई गई** (मौसम),
  - खेत का **आकार** और
  - **पिछले 3 वर्षों का कृषि इतिहास** उपलब्ध कराता है।
- **डेटा अपडेट:** हर **2 सप्ताह में डेटा रिफ्रेश** होता है, जिससे बदलावों की नियमित जानकारी मिलती है।
- **AI और सैटेलाइट इमेजरी का उपयोग:** खेत की सीमाओं और **भूमि उपयोग (land use)** को मैप करने के लिए उन्नत तकनीक।

उपयोगिता:

- **फार्म प्रबंधन में सुधार:** फसल की जरूरतों के अनुसार **मिट्टी, पानी, जलवायु और विकास के पैटर्न** को समझना आसान बनाता है।
- **फसल उत्पादन अनुमान: फसल कटाई की मात्रा (Harvest volume)** का पूर्वानुमान संभव।
- **एग्रीटेक स्टार्टअप्स के लिए अवसर: Google यह API एग्रीकल्चर स्टार्टअप्स के साथ साझा कर रहा है** ताकि वे कृषि पारिस्थितिकी तंत्र को बेहतर बनाने के लिए नवीन समाधान विकसित कर सकें।

SCIENCE BOOK
FREE
बुक की ख़रीद पर पाएं
100%
CASHBACK
Latest Edition
सामान्य अध्ययन
(General Studies)
Pathshala
जनरल साइंस &
टेक्नोलॉजी
एक दिवसीय
परीक्षाओं के लिए
I'M
Possible
Ankit Kumar Avasthi
BUY NOW FROM
APNI PATHSHALA APP.
पहले 7 दिन की बुकिंग पर बुक बिलकुल फ्री

GS FOUNDATION For

UPSC & STATE PSC

- ECONOMY
- POLITY
- HISTORY
- GEOGRPHY

1500X4 ~~6000/-~~

₹4500/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY 1 YEAR

GS FOUNDATION *For*

UPSC & STATE PSC

IF ANYONE INTRESTED IN ONLY

HISTORY

FEE ~~₹ 2000/-~~

₹1499/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY **1 YEAR**

GS FOUNDATION *For*

UPSC & STATE PSC

IF ANYONE INTRESTED IN ONLY

ECONOMY

FEE ~~₹ 2000/-~~

₹1499/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY **1 YEAR**

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION
OF
INDIA
मात्र
1499/-Year
Enroll Now !
1 year
validity

GS FOUNDATION

Hand Written Notes

Pathshala | AI

BEST OFFER
1999Rs

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Bilingual

By Ankit Avasthi Sir

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,

और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

MONTHLY MAGAZINE

FREE!

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Billingual

ANKIT AVASTHI SIR

RAS FOUNDATION

HAND WRITTEN NOTES

अधिक जानकारी के लिए दिए
गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

BEST OFFER
4500 Rs

By Ankit Avasthi Sir

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
COUPON CODE
ANKIT500
Course fee
₹1999/-
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुआत

FOUNDATION COURSE OF MUTUAL FUND

COUPON CODE
ANKIT500

Invest in Knowledge Grow Your Wealth

Course fee
~~₹1999/-~~

Course fee
₹1499/-

Special
OFFER ON
Father's
DAY

Course Validity
1 YEAR

एक निवेश समझदारी से..

Pathshala
नई संस्करण
जी.ए फाउंडेशन
हैंडरिटन नोट्स
लॉन्च हो चुके हैं..
अभी खरीदें -
1999/-
(नियम और शर्तें लागू)
और पाएं साइंस की बुक फ्री (7 दिन तक)
भूगोल-I
भूगोल-II
इतिहास-I
इतिहास-II
अर्थव्यवस्था
भारतीय राजव्यवस्था
जनरल साइंस & टेक्नोलॉजी

CALL CENTRE

787158882

HOW MAY I HELP YOU

AnkitInspiresIndia

Download "Apni Pathshsla" app now!

Follow us: